अनुक्रमणिका

१) पहला अध्याय: 1-9

उपेन्द्रनाथ अश्क - चरित्रगत एवं साहित्यिक परिचय

अ) चरित्रगत परिचय

ब) साहित्यिक परिचय

२) दूसरा अध्याय: 10-45

`अलग-अलग रास्ते`- कथावस्तु तथा नाटक में वैवाहिक जीवन-सम्बन्धी समस्याएँ

अ) प्रास्ताविक ।

ब) `अलग-अलग रास्ते`- कथावस्तु ।

क) वस्तु चयन का आधार ।

ड) नाटकपर पाश्चात्य प्रभाव ।

इ) भारतीय परंपरा के अनुसार विवाहसंस्था ।

फ) विवाहसंस्था ।

च) विवाह का प्रयोजन ।

छ) विवाह प्रकार ।

ज) वैवाहिक जीवन-सम्बन्धी समस्याएँ ।

ह) विवाह समस्याश्रयी नाटक `अलग-अलग रास्ते` ।

..

१) वैवाहिक परिस्थिति में परिवर्तन ।

२) परम्परा के प्रति विद्रोह ।

३) पुनर्विवाह ।

४) वैवाहिक जीवन के प्रति नवीनक्रांति ।

५) पति परायण नारी ।

६) अनमेल विवाह ।

७) आंतरजातीय विवाह ।

त) वैवाहिक जीवन की कुछ अन्य समस्याएँ ।

थ) वैवाहिक समस्याओं का निदर्शन ।

३) तीसरा अध्याय: 46-89

अलग-अलग रास्ते नाटकान्तर्गत पारिवारिक समस्याएँ

अ) हिन्दी के कतिपय समस्यामूलक नाटक ।

ब) वसधैव कुटुम्बकम् ।

क) कुटुंबसंस्था । - संयुक्त कुटुंबसंस्था, विभक्त कुटुंबसंस्था - लाभ व हानी ।

ड) महाभारत में स्त्री धर्म । - स्त्री का महत्व ।

इ) पारिवारिक कोटी के पुरूष पात्र ।

फ) स्त्री-पुरूष सम्बन्ध - मूल्य-संक्रमण । दाम्पत्य जीवन ।

च) पारिवारिक समस्याएँ ।

१) वैचारिक स्वातन्त्र्य ।

२) नारी का आर्थिक स्वावलम्बिता ।

३) नये-पुराने मूल्योंकी उलझन: जीवन संघात की सही पहचान ।

४) बिलराव-नेचुरल प्रोसेस ।

५) असद्भावना का जीवंत दस्तावेज ।
६) अभिजात्योन्मुखी चेतना ।
७) संयुक्त परिवार : प्लासी की लडाई का मूल ।

च) मूल्यांकन - चेतना की आन्तरिकता ।

छ) वर्तमान संघर्ष की अर्थ ध्वनि ।

४) चौथा अध्याय : 90-115

' अलग अलग रास्ते ' - नाटक में सामाजिक समस्याएँ

अ) ' समाज ' शब्द की परिभाषा ।

ब) नाटक और सामाजिकता ।

क) नाटयसंरचना और सामाजिक प्रेरणा ।

ड) नाटक के सम्बन्ध में भारतीय दृष्टिकोण ।

इ) नाटक और सामाजिक स्थिति । •

फ) नाटककार का सामाजिक दायित्व ।

च) सामाजिक मनोवृति और नाटक ।

छ) सामाजिक मानसशास्त्र ।

ज) सामाजिक भूमिका ।

झ) सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया ।

त्र) सामाजिक समस्याएँ ।

१) दहेज समस्या ।
२) वेश्या समस्या ।
३) रस्मों-रिवाजोंकी जड़ता का विरोध ।
४) युध्दस्तर पर विरोध ।

५) गर्हित पारिवारिक जीवन ।
६) बौधिक और मनोवैज्ञानिक दृष्टिसे नाटक के पात्रों की मीमांसा ।
७) आर्थिक आत्मनिर्भरता - नये आयाम ।

५) पाँचवा अध्याय : 116 - 119

उपसंहार ।

६) सहायक ग्रंथसूची: 120 - 122

१) संस्कृत ।
२) हिन्दी ।
३) मराठी ।
४) इँग्रजी ।

-000-